RNI NO.: RJHIN/26/A5495

निष्पक्ष | निर्भीक | जनहितकारी पत्रकारिता

www.brahmoskanayasavera.in
E-mail : brahmoskanayasavera@gmail.com

ब्रह्मोस का नया सवेरा

हम बनेंगे जनता की आवाज

दैनिक | वर्ष - 01 | अंक - 1 | राजस्थान, रविवार, 28 जून 2026 | कुल पृष्ठः 4 | BrahmosKaNayaSavera

सेमी-क्रायोजेनिक इंजन टेस्ट में सफल इसरो प्रमुख बोले- गगनयान मिशन को मिली रफ्तार

इसरो ने गगनयान मिशन की तैयारियों में महत्वपूर्ण प्रगति की जानकारी दी है। लॉन्च व्हीकल की ह्यूमन रेटिंग और सुरक्षा प्रणालियां पूरी हो चुकी हैं तथा पहले मानव मिशन से पहले तीन मानव रहित उड़ानें होंगी। इसी बीच, महेंद्रगिरि में सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का 175 टन थ्रस्ट स्तर पर सफल हॉट टेस्ट भी पूरा हुआ है, जिससे 100 प्रतिशत क्षमता वाले इंजन परीक्षण का रास्ता और मजबूत हो गया है।भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गगनयान मिशन की तैयारियों को लेकर बड़ी जानकारी साझा की है। इसरो के चेयरमैन डॉ. वी. नारायणन ने शनिवार को कहा कि गगनयान भारत का अत्याधुनिक और तकनीक-आधारित मिशन है। मिशन के तहत लॉन्च व्हीकल की %ह्यूमन रेटिंग% और सभी आवश्यक सुरक्षा प्रणालियों का विकास पूरा हो चुका है। अब वास्तविक अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने से पहले तीन मानव रहित (अनक्रूड) मिशन संचालित किए जाएंगे, जिनमें से पहले मिशन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं।मीडिया से बातचीत में डॉ. नारायणन ने कहा, %गगनयान मिशन में किसी भी प्रकार का जोखिम नहीं लिया जा सकता। इसलिए इंसानों को अंतरिक्ष में भेजने से पहले सभी तकनीकों और सुरक्षा प्रणालियों का कई चरणों में परीक्षण किया जाएगा।% उन्होंने बताया कि पहले मानव रहित मिशन की तारीख जल्द घोषित की जाएगी।उन्होंने हाल ही में सफल हुए सेमी-क्रायोजेनिक इंजन के पावर हेड टेस्ट को इसरो के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। उनके अनुसार, इस परीक्षण में इंजन के थ्रस्ट चैंबर को छोड़कर लगभग 90 प्रतिशत थ्रस्ट लोड का सफल परीक्षण किया गया, जो भविष्य के पूर्ण इंजन परीक्षणों के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने यह भी बताया कि अब पूर्ण इंजन परीक्षण की तैयारियां जारी हैं। उपग्रह भी लगभग तैयार हैं और उनसे जुड़े कार्यक्रमों की तारीखों की घोषणा जल्द की जाएगी।इसरो ने शनिवार को जारी आधिकारिक बयान में बताया कि 24 जून 2026 को तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स (आईपीआरसी) में सेमी-क्रायोजेनिक इंजन के पावर हेड टेस्ट आर्टिकल (पीएचटीए) का 175 टन थ्रस्ट स्तर पर सफल %हॉट टेस्ट% किया गया। पावर हेड टेस्ट आर्टिकल में इंजन के लगभग सभी प्रमुख सिस्टम शामिल होते हैं, जबकि थ्रस्ट चैंबर इसमें शामिल नहीं होता।यह इस परीक्षण शृंखला का आठवां हॉट टेस्ट था। इसका उद्देश्य प्री-बर्नर इग्निशन के बाद इंजन के प्रदर्शन का आकलन करना और अधिक थ्रस्ट स्तर पर उसकी स्थिर कार्यक्षमता को परखना था। इससे पहले 94 टन (47 प्रतिशत) और 120 टन (60 प्रतिशत) थ्रस्ट स्तर पर परीक्षण किए जा चुके थे। पहली बार इंजन को 175 टन यानी लगभग 88 प्रतिशत क्षमता पर सफलतापूर्वक संचालित किया गया। परीक्षण के दौरान मुख्य टर्बोपंप ने 400 और 500 बार आउटलेट प्रेशर पर भी बेहतरीन प्रदर्शन किया।इसरो के अनुसार, यह परीक्षण पूरी तरह अपेक्षाओं के अनुरूप रहा और इंजन के सभी तकनीकी मानक निर्धारित स्तर पर दर्ज किए गए। इस सफलता से वैज्ञानिकों का विश्वास और मजबूत हुआ है कि अब 200 टन यानी 100 प्रतिशत क्षमता पर इंजन के परीक्षण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा जा सकता है। यह उपलब्धि स्वदेशी सेमी-क्रायोजेनिक इंजन के विकास और भारत के भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है

नॉकआउट की तस्वीर लगभग साफ, 28 टीमें पहुंचीं राउंड ऑफ-32 में कब होगा बाकी चार का फैसला?

फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-32 के लिए अब तक 28 टीमें क्वालिफाई कर चुकी हैं, जबकि चार स्थान अभी बाकी हैं। 28 जून को ग्रुप चरण के आखिरी मुकाबलों के बाद नॉकआउट में पहुंचने वाली सभी 32 टीमों की तस्वीर साफ हो जाएगी।फीफा विश्व कप 2026 का ग्रुप चरण अपने अंतिम दौर में है और अब तक 28 टीमें नॉकआउट यानी राउंड ऑफ-32 के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं। पहली बार 48 टीमों वाले इस विश्व कप में राउंड ऑफ-32 खेला जाएगा, जिससे टूर्नामेंट पहले से कहीं अधिक रोमांचक बन गया है। इस बार केवल ग्रुप में शीर्ष दो स्थान हासिल करने वाली टीमें ही नहीं, बल्कि आठ सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान की टीमें भी नॉकआउट में जगह बना रही हैं। यही वजह है कि आखिरी ग्रुप मैच तक हर अंक और हर गोल बेहद अहम साबित हो रहा है।48 टीमों को 12 ग्रुप (ए से एल) में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप में चार-चार टीमें हैं और हर टीम तीन मुकाबले खेलती है। ग्रुप चरण समाप्त होने के बाद कुल 32 टीमें अगले दौर में पहुंचेंगी।यानी तीसरे स्थान पर रहने वाली सभी 12 टीमें आगे नहीं जाएंगी। इनमें से सिर्फ आठ टीमों को जगह मिलेगी, जबकि चार टीमों का सफर यहीं समाप्त हो जाएगा।मेक्सिको नॉकआउट में पहुंचने वाली पहली टीम बनी, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने पहली बार विश्व कप के नॉकआउट चरण में जगह बनाई।विश्व कप के राउंड ऑफ-32 में कुल 32 टीमें जगह बनाएंगी, लेकिन फिलहाल 28 टीमों ने ही नॉकआउट का टिकट पक्का किया है। अब सिर्फ चार स्थान बाकी हैं, जिनका फैसला 28 जून को खेले जाने वाले ग्रुप चरण के अंतिम मुकाबलों से होगा। इस दिन ग्रुप जे, के और एल के आखिरी मैच खेले जाएंगे। इनमें अल्जीरिया बनाम ऑस्ट्रिया, जॉर्डन बनाम अर्जेंटीना, डीआर कांगो बनाम उज्बेकिस्तान, कोलंबिया बनाम पुर्तगाल, पनामा बनाम इंग्लैंड और क्रोएशिया बनाम घाना आमने-सामने होंगे। इन मुकाबलों के बाद राउंड ऑफ-32 की सभी 32 टीमों की तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगी और नॉकआउट मुकाबलों का पूरा शेड्यूल भी तय हो जाएगा।फीफा ने पहली बार विश्व कप में 48 टीमों को शामिल किया है। इससे ग्रुप चरण पहले की तुलना में कहीं अधिक प्रतिस्पर्धी हो गया है। अब किसी टीम के लिए शुरुआती मुकाबलों में पिछड़ने के बावजूद तीसरे स्थान पर रहते हुए भी नॉकआउट में पहुंचने की संभावना बनी रहती है। इसी वजह से अंतिम ग्रुप मैच तक हर गोल, हर अंक और यहां तक कि हर येलो कार्ड भी क्वालिफिकेशन की तस्वीर बदल सकता है। अब जैसे-जैसे बाकी ग्रुप मुकाबले समाप्त होंगे, राउंड ऑफ-32 की सभी 32 टीमें और मुकाबलों का पूरा शेड्यूल भी तय हो जाएगा। इसके बाद विश्व कप पूरी तरह %करो या मरो% के दौर में प्रवेश करेगा, जहां हार का मतलब सीधे टूर्नामेंट से बाहर होना होगा।

सीएम योगी बोले: हर जिले में मेडिकल कॉलेज से बदल रही प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था

गोरखपुर को मिली नई सुपर स्पेशियलिटी सुविधा, जरूरतमंदों के इलाज पर हर वर्ष 1200 से 1500 करोड़ रुपये खर्च

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के बेतियाहाता में एस्ट्रोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का उद्घाटन करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों के इलाज के लिए हर वर्ष 1200 से 1500 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाते हैं। उनका कहना था कि वर्ष 2017 के बाद स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए विस्तार से प्रदेश की नई पहचान बनी है और अब प्रत्येक जिले तक आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के कारण स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा तेजी से बढ़ा है। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र परिवारों को पांच लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार मिल रहा है। जिन परिवारों का नाम इस योजना में शामिल नहीं हो सका, उन्हें प्रदेश सरकार की योजना के माध्यम से लाभ देने की व्यवस्था की गई है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के तहत अनेक जिलों में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं। गोरखपुर के अलावा महाराजगंज, देवरिया, सिद्धार्थनगर, बस्ती, बलरामपुर, गोंडा, बहराइच, आजमगढ़, गाजीपुर, रायबरेली, अमेठी, मिर्जापुर और चंदौली में मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं, जबकि बलिया में मेडिकल कॉलेज को स्वीकृति मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश के मरीजों को इलाज के लिए बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, जबकि अब सरकारी अस्पतालों में गहन चिकित्सा कक्ष, डायलिसिस, रक्त बैंक और अन्य आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने भरोसेमंद और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना अस्पतालों और चिकित्सकों की बड़ी जिम्मेदारी बताया।

मुख्यमंत्री ने पूर्व मंत्री मार्कण्डेय चंद को याद करते हुए कहा कि उनका गोरक्षपीठ से विशेष लगाव था। उन्होंने अस्पताल परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा का अनावरण किया तथा श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने अस्पताल का निरीक्षण कर चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी भी ली।

कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य एवं अस्पताल के अध्यक्ष सीपी चंद ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश का स्वास्थ्य क्षेत्र नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि अस्पताल के संचालन में गुरुग्राम के फोर्टिस अस्पताल का तकनीकी सहयोग मिलेगा। सांसद रविकिशन शुक्ल ने भी अपने विचार रखे। आभार अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉ. अरुण चंद ने व्यक्त किया।

समारोह में महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, राजेश त्रिपाठी, श्रीराम चौहान, डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, चिकित्सा निदेशक डॉ. आरती चंद तथा महंत रविंद्रदास सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बंकिम चंद्र और राजर्षि शाहू जी को नमन, राष्ट्रभक्ति व सामाजिक न्याय का दिया संदेश

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लखनऊ स्थित सरकारी आवास, सात कालिदास मार्ग पर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय तथा सामाजिक न्याय और समानता के अग्रदूत राजर्षि छत्रपति शाहू जी महाराज की जयंती पर उनके चित्रों पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने दोनों महान विभूतियों के योगदान को राष्ट्र और समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 'वंदे मातरम्' मातृभूमि के प्रति अटूट प्रेम, त्याग, आत्मसम्मान और राष्ट्रभक्ति का अमर मंत्र है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस गीत ने असंख्य क्रांतिकारियों और देशवासियों में नई ऊर्जा का संचार किया। उन्होंने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने अपनी कालजयी कृति 'आनंदमठ' सहित साहित्य के माध्यम से जन-जन में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत की, जो आज भी देशवासियों को प्रेरित करती है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राजर्षि छत्रपति शाहू जी महाराज ने शिक्षा, सामाजिक न्याय, समान अवसर और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उन्होंने सामाजिक समानता के विचारों को व्यवहार में उतारकर परिवर्तन की मजबूत नींव रखी। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय और राजर्षि शाहू जी महाराज का जीवन राष्ट्रसेवा, सामाजिक समरसता, शिक्षा और जनकल्याण के लिए आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करता रहेगा।

सुर्खियों में सिया की साजिश पर महिलाओं के खिलाफ कितना होता है अपराध; क्या हैं देश के ताजा आंकड़े?

केतन अग्रवाल और राजा रघुवंशी जैसे चर्चित मामलों के बीच एनसीआरबी के ताजा आंकड़े बताते हैं कि देश में महिलाएं अब भी अपराध की सबसे बड़ी पीड़ित हैं। वर्ष 2024 में महिलाओं के खिलाफ 4.41 लाख से अधिक मामले दर्ज हुए, जिनमें सबसे ज्यादा मामले पति या रिश्तेदारों की क्रूरता, अपहरण और दुष्कर्म से जुड़े रहे। आइए विस्तार से जानते हैं। पुणे में कारोबारी केतन अग्रवाल की हत्या का मामला इस वक्त सुर्खियों में है। आरोप केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके कथित प्रेमी चेतन पर है। पिछले साल हनीमून पर गए इंदौर के राजा रघुवंशी की हत्या का आरोप उसकी नई नवेली पत्नी सोनम पर लगा। ये सिर्फ उदाहरण हैं। बीते कुछ वर्षों में इस तरह के कई मामले आए हैं जब किसी महिला पर अपने ही बेहद करीबी की हत्या का आरोप लगा। इस बदलते सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ा जाता है।इन मामलों के बीच आइये जानते हैं कि देश में महिलाएं अपराध का कितना शिकार होती हैं? महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध का आंकड़ा बीत कुछ वर्षों में कैसा रहा है? महिलाएं किस तरह के अपराध का शिकार सबसे ज्यादा होती हैं?एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,41,534 मामले दर्ज हुए, जो 2023 के 4,48,211 मामलों से 1.5त्र कम हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध के सबसे अधिक मामले पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के रहे, जिनकी संख्या 1,22,027 (27.6त्र) रही। महिलाओं के अपहरण और किडनैपिंग के 71,241 (16.1त्र) मामले 2024 में दर्ज किए गए। महिला की मर्यादा भंग करने के इरादे से हमला करने के 43,303 (9.8त्र), दहेज निषेध अधिनियम के 37,807 (8.6त्र) और दुष्कर्म के 29,536 (6.7त्र) मामले भी दर्ज किए गए। इसके अलावा स्टॉकिंग के 9,865, दहेज हत्या के 5,737, एसिड अटैक के 11, यौन उत्पीड़न के 15,609, यौन शोषण के 2,561, दुष्कर्म के प्रयास के 1,505 माले दर्ज हुए। कुल आईपीसी/बीएनएस अपराधों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की हिस्सेदारी 20.3त्र रही। यानी देश में होने वाले 100 में 20 से अधिक अपराध की घटनाएं महिलाओं के खिलाफ हुईं।2024 में देशभर में महिलाओं के खिलाफ अपराध के दर्ज 4,41,534 मामलों में से 2,32,731 मामले केवल इन पांच राज्यों में दर्ज हुए, जो कुल मामलों का लगभग 52.7त्र है।वर्ष 2024 में देशभर में दुष्कर्म के 29,536 मामले दर्ज हुए। इनमें से केवल पांच राज्यों राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में 17,028 मामले दर्ज हुए। यानी देश में दर्ज कुल दुष्कर्म के मामलों में इन पांच राज्यों की हिस्सेदारी लगभग 57.7त्र (करीब 58त्र) रही।18 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों से दुष्कर्म के मामले में वर्ष 2024 में देशभर में कुल 784 मामले दर्ज हुए। इनमें से केवल पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, गोवा और अरुणाचल प्रदेश में 662 मामले दर्ज हुए। यानी देशभर में दर्ज कुल मामलों में इन पांच राज्यों की हिस्सेदारी लगभग 84.4त्र (करीब 84त्र) रही।वर्ष 2024 में देशभर में यौन उत्पीड़न के कुल 15,620 मामले दर्ज हुए। इनमें से महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में कुल 8,090 मामले दर्ज हुए। यानी देशभर में दर्ज कुल मामलों में इन पांच राज्यों की हिस्सेदारी लगभग 51.8त्र (करीब 52त्र) रही।वर्ष 2024 में देशभर में दहेज हत्या के 5,811 मामले दर्ज हुए। इनमें से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में 4,308 मामले दर्ज हुए। यानी कुल मामलों में इन पांच राज्यों की हिस्सेदारी लगभग 74.1त्र रही।वर्ष 2024 में देशभर में महिलाओं पर पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के 1,21,166 मामले दर्ज हुए।

गुटबाजी पर अखिलेश यादव सख्त इन बड़े नेताओं को लखनऊ बुलाकर दी ये हिदायत; साथ ही ये बात भी कही

मुरादाबाद की गुटबाजी पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सख्त दिखाई दिए हैं। उन्होंने स्थानीय नेताओं के पेंच कसे हैं। पीडीए बैठक से सांसद रुचि वीरा को दूर रखने के विवाद पर उन्होंने लखनऊ में पांच नेता तलब किए। बैठक में उन्होंने मुरादाबाद के पांच प्रमुख नेताओं को बुलाकर पूरे मामले की जानकारी ली और साफ संदेश दिया कि गुटबाजी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समाजवादी पार्टी में मुरादाबाद की सियासत इन दिनों अंदरूनी खींचतान के कारण गरमाई हुई है। पीडीए बैठक में सांसद रुचि वीरा को न बुलाने और कार्यक्रम के पोस्टर-बैनरों से उनका फोटो गायब रहने के विवाद ने ऐसा तूल पकड़ा कि आखिरकार सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को खुद हस्तक्षेप करना पड़ा। बृहस्पतिवार को लखनऊ में हुई अहम बैठक में उन्होंने मुरादाबाद के पांच प्रमुख नेताओं को बुलाकर पूरे मामले की जानकारी ली और साफ संदेश दिया कि गुटबाजी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में सांसद रुचि वीरा, राज्यसभा सांसद जावेद अली, पूर्व मंत्री एवं विधायक कमाल अख्तर, जिलाध्यक्ष जयवीर यादव और पूर्व विधायक यूसुफ अंसारी मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार, सबसे पहले रुचि वीरा ने अपनी शिकायत रखते हुए कहा कि मुरादाबाद में उनके खिलाफ लगातार माहौल बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पीडीए बैठक में उन्हें जानबूझकर नहीं बुलाया गया और पोस्टरों से उनका फोटो भी हटाया गया। इसके पीछे उन्होंने कमाल अख्तर की भूमिका होने की बात कही।रुचि वीरा ने अखिलेश यादव से साफ कहा कि उनकी नाराजगी पार्टी या राष्ट्रीय नेतृत्व से नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर गुटबाजी करने वाले नेताओं से है। उनका कहना था कि इस विवाद से भाजपा को सपा पर महिलाओं के सम्मान को लेकर सवाल उठाने का मौका मिल गया। वहीं, कमाल अख्तर ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वह केवल आमंत्रित होने पर कार्यक्रम में पहुंचे थे। आयोजन और पोस्टर तैयार कराने से उनका कोई संबंध नहीं था। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि सांसद बनने के बाद रुचि वीरा ने भी अपने पोस्टरों और होर्डिंग्स में किसी विधायक या वरिष्ठ नेता को जगह नहीं दी, इसलिए उन पर लगाए जा रहे आरोप बेबुनियाद हैं। राज्यसभा सांसद जावेद अली ने भी खुद को पूरे विवाद से अलग बताते हुए कहा कि वह मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में शामिल हुए थे। किसे बुलाया गया और किसका फोटो लगाया गया, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। बैठक के दौरान अखिलेश यादव ने जिलाध्यक्ष जयवीर यादव और पूर्व विधायक यूसुफ अंसारी से भी तीखे सवाल किए। उन्होंने पूछा कि संगठन में गुटबाजी क्यों बढ़ रही है और पीडीए बैठक के आयोजन की अनुमति पार्टी मुख्यालय से क्यों नहीं ली गई। महानगर संगठन की कार्यप्रणाली पर भी उन्होंने नाराजगी जताई। जिलाध्यक्ष जयवीर यादव ने सफाई देते हुए कहा कि कार्यक्रम का आयोजन महानगर अध्यक्ष की ओर से किया गया था। वह केवल जिला अध्यक्ष होने के नाते वहां पहुंचे थे।उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिले के सभी नेताओं को साथ बैठाकर मतभेद दूर किए जाएंगे। सूत्रों का कहना है कि बैठक के अंत में अखिलेश यादव ने कहा कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। साथ ही सभी नेताओं को आपसी मतभेद भुलाकर संगठन को मजबूत करने और भविष्य में ऐसी शिकायत दोबारा न आने देने की हिदायत दी।लखनऊ में बैठक में मेरे साथ सांसद रुचि वीरा, राज्यसभा सांसद जावेद अली, पूर्व मंत्री एवं विधायक कमाल अख्तर और पूर्व विधायक यूसुफ अंसारी शामिल थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा है कि यह समय आपसी खटास का नहीं है। सभी को 2027 के लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम करना चाहिए। सभी को मिलकर पार्टी के लक्ष्य को पूरा करने के लिए कहा है।

राजनैतिक व्यंग्य : कड़ी कार्रवाई

इस देश में %कड़ी कार्रवाई% का बड़ा चक्कर है। जब देखो, तब कड़ी कार्रवाई होने लगती है। कभी भी सीधी-सिंपल कार्रवाई नहीं होती! कुछ भी ऐसा या वैसा हुआ -- और ऊपरवाले की किरपा से लगभग हर रोज़ होता रहता है -- तो फौरन %कड़ी कार्रवाई% होना शुरू हो जाता है। राम मंदिर में 200 करोड़ की डकैती हुई, तो इस मामले में भी %कड़ी कार्रवाई% ही होगी। जैसा कि चलन है, आदित्यनाथ जी ने भी कह दिया है कि कोई कितने ही बड़े पद पर हो, दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। कोई आश्चर्य नहीं कि कड़ी से कड़ी कार्रवाई भी हो जाए, बल्कि कड़ी से कड़ी से कड़ी कार्रवाई होने की आशंकाएं हैं, क्योंकि मामला उत्तर प्रदेश का है, उसमें भी अयोध्या का है और अयोध्या में भी राम मंदिर का है और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ हैं, जो कड़ी से कम कार्रवाई करते नहीं, बल्कि अकसर कड़ी से कड़ी कार्रवाई कर डालते हैं, बल्कि कभी-कभी तो कड़ी से भी कड़ी और उससे भी कड़ी कार्रवाई करके ही मानते हैं, मगर लोगों को इसका पता उनके भारी-भरकम बयानों से चलता है!यही उनकी मुख्य विशेषता है। इसी कारण उत्तर प्रदेश चल रहा है, वरना कभी का बैठ गया होता! राममंदिर मामले में कड़ी से कड़ी और उससे भी कड़ी कार्रवाई हुई, तो भी ईडी-सीबीआई बीच में नहीं आएगी और न उसे आने दिया जाएगा। कहीं बुलडोजर नहीं चलेगा, किसी का फुल या हाफ एनकाउंटर नहीं होगा। सब शांतिपूर्वक होगा, लेकिन कार्रवाई तो साहब, कड़ी से कड़ी ही होगी! बस उसमें बड़ा से बड़ा कोई नहीं फंसेगा और यह कहने की बात नहीं कि उसमें छोटा से छोटा, बल्कि उससे भी छोटा फंसेगा। चांस इसके ज्यादा? हैं कि कोई नहीं फंसेगा, उल्टे आरोप लगाने वाले फंस जाएंगे, क्योंकि मामला राममंदिर का है, मुख्यमंत्री आदित्यनाथ हैं और चुनाव बहुत दूर नहीं हैं! उन्हें मामले पर की गई यह डकैती अभी से अफवाह लगने लगी है, भक्तों की भावनाएं आहत करने की कोशिश लगने लगी है, अयोध्या को बदनाम करने की साज़िश लगने लगी है, तो आप समझ लीजिए, एसआईटी बेचारी क्या करेगी? मुख्यमंत्री जी की भावनाओं का सम्मान करके जयश्री राम करते हुए बैठ जाएगी!

उधर प्रधानमंत्री के खासमखास नृपेंद्र मिश्र इसे डकैती और विश्वासघात बता रहे हैं। मतलब दिल्ली और लखनऊ में अंदर ही अंदर रस्साकशी चल रही है। दिल्ली में प्रदूषण बढ़ रहा है, चिंता न करें, नियम तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। इंडिगो की लापरवाही के कारण हजारों हवाई यात्री परेशान हुए, कड़ी कार्रवाई होगी। खाद की कालाबाजारी करनेवालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। नकली दवाई सप्लाई करने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी। गैंगस्टर को अपना आइकन माननेवालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। स्कूल के कमरे गिर गए, बच्चे मर गए, चिंता न करें, कड़ी कार्रवाई होगी। मंदिर जाते या आते समय या प्रवचन के बाद लोग मारे गए, कड़ी कार्रवाई होगी। अस्पताल में लापरवाही से लोग मर गए, कड़ी कार्रवाई होगी। मतलब सब कड़ी कार्रवाई के पीछे पड़ गए हैं। पहले वाले भी कड़ी कार्रवाई करते थे। ये भी यही करते हैं और आगे आने वाले भी, मेरा दृढ़ मत है कि यही करेंगे, क्योंकि इस देश में कड़ी कार्रवाई करने की परंपरा %भगवान श्री राम% के समय से चली आ रही है। यहां कार्रवाई चूंकि कड़ी होती है, इसीलिए यहां राम राज्य स्थापित हो चुका है और हिन्दू राष्ट्र स्थापित होने वाला है! डंका बजाने वाले को जब भी विदेश यात्राओं से लंबी फुर्सत मिलेगी, डंका बज जाएगा!

आजादी के बाद से आज तक कम से कम पांच करोड़ बार हिंदुस्तान के हर कोने में हर मामले में कड़ी कार्रवाई हो चुकी है और अभी भी जारी है, इसलिए, यह आंकड़ा जल्दी ही बढ़कर छह करोड़ तक जा सकता है। आजकल चूंकि सरकार ने अपनी तरफ से बात करना बंद कर दिया है,अपनी ओर से बोलने का अधिकार चुप्पी को दे दिया है, इसलिए उन्होंने बताया है कि यह आंकड़ा सात करोड़ को छू सकता है। 2047 तक भारत को चूंकि विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रधानमंत्री प्रतिबद्ध हैं, इसलिए इस दस करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

वैसे सच यह है कि दोष हमारा है। मंत्री-मुख्यमंत्री-गृहमंत्री आदि दरअसल %कड़ी% नहीं, %कड़ी% कार्रवाई की बात करते हैं। हमें चूंकि कार्रवाई के साथ %कड़ी% सुनने की गंदी आदत पड़ चुकी है, इसलिए हम %कड़ी% को भी %कड़ी% सुनते और पढ़ते हैं!टीवी और अखबारवाले भी %कड़ी% और %कड़ी% में अंतर करना नहीं जानते, वे भी %कड़ी% को %कड़ी% कह या लिख देते हैं। विनम्रता में मंत्रीगण भी इसका खंडन नहीं करते। और जब %कड़ी% की जगह %कड़ी% कार्रवाई होती है, तो हम सरकार और प्रशासन की निंदा करने लगते हैं। सरकार इसे भी सहन कर लेती है। सरकार दरअसल आजकल बहुत सहनशील हो चुकी है!

इस समाज में मज़ाक़ समझने की तमीज अब रहा नहीं! वैसे %कड़ी% भी हर प्रदेश, हर क्षेत्र, बल्कि हर घर की अलग होती है।उसमें तीन ही चीजें कामन होती हैं -- छाछ, बेसन और नमक उसी तरह कड़ी कार्रवाई में सब जगह कड़ी शब्द ही कामन होता है, सबमें बेसन, छाछ और नमक और पानी का अनुपात अलग होता है। कड़ी से कड़ी और उससे भी कड़ी कार्रवाई का अर्थ है, कोई कार्रवाई नहीं! इस गूढ़ार्थ को लोग समझते नहीं और पें-पें, चें-चें करने लगते हैं!

तो इस देश में कभी कड़ी कार्रवाई होती रहती है। कभी-कभी कड़ी कार्रवाई भी हो जाती है लेकिन उसके लिए दोषी का %बाबर की औलाद% होना जरूरी है, %मुल्ला% होना आवश्यक है। हिंदू खतरे में है, इसलिए उन्हें %टाइट% करना समय की आवश्यकता है, पर हमें इससे घबराना नहीं है, क्योंकि हम प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 2047 में विकसित भारत बनाने का सपना पूरा करना है! (कई पुरस्कारों से सम्मानित विष्णु नागर साहित्यकार और स्वतंत्र पत्रकार हैं। जनवादी लेखक संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं।)

लघु कथा : स्वप्न मिलन

दिनकर कई दिनों से चुप था।उसकी दादी, जो हर रात उसे अपने पास सुलाकर कहानियाँ सुनाती थीं,अब इस दुनिया में नहीं थीं। कमरे की दीवारें वही थीं,बिस्तर वही था,लेकिन अब हर रात एक अजीब सी खालीपन से भर जाती थी। उस रात,आँसू उसके तकिए को भिगोते-भिगोते उसे नींद आ गईज्और तभी,उसे महसूस हुआ,कोई उसके बालों को सहला रहा है। उसने आँखें खोलींज्दादी उसके पास बैठी थीं।वही स्नेह, वही मुस्कान,जैसे समय कभी रुका ही न हो। ÷दादीज आप मुझे छोड़कर क्यों चली गईं?÷ दिनकर फूट फूट कर रोने लगा । दादी ने उसे अपने आँचल में छुपाते हुए कहा,÷मैं कहाँ गई हूँ, बेटाज्मैं तो यहीं हूँ,बस अब तुम मुझे आँखों से नहीं,दिल से देखोगे।÷÷तो आप हर रोज़ क्यों नहीं आतीं?÷उसने सिसकते हुए पूछा। दादी ने फिर उसके आँसू पोंछे ,÷जब तुम्हारा प्यार मुझे पुकारेगा, मैं तुम्हारे सपनों में चली आऊँगी।÷ सुबह हुईज्दादी फिर नहीं थीं। लेकिन इस बार,दिनकर के चेहरे पर आँसू नहीं थे ,एक हल्की सी मुस्कान थी।

वो दादाजी के पास गया,÷दादाजीज दादी आई थीं।वो बिल्कुल सच थींज्÷दादाजी ने उसे सीने से लगाते हुए कहा,÷बेटा, कुछ रिश्ते खत्म नहीं होते,बस दिखाई देना बंद हो जाते हैं।÷ दिनकर ने धीरे से पूछा ÷तो क्या सपने सच होते हैं?÷ दादाजी की आवाज़ भर्रा गई,÷सपने झूठे नहीं होते,बस अधूरे सच होते हैंज्जो हमें वो दिखा देते हैं,जिसे हम खो चुके होते हैं,लेकिन जो हमें अब भी छोड़कर नहीं गया।÷ उस दिन के बाद,दिनकर हर रात सोने से पहले मुस्कुराता थाज्क्योंकि अब उसे पता था,वो अकेला नहीं है और उसने समझ लिया, कि किसी के जाने से रिश्ता खत्म नहीं होता,वो बस एक नए रूप मेंहमारे अंदर बस जाता है।÷जो लोग दिल में बस जाते हैं,उन्हें खोया नहीं जाता–वे सपनों में नहीं,हमारी हर धड़कन में जिंदा रहते हैं।÷

सच्चाई के दस फ़रैब के हज़ार हैं !

मानव जीवन का मूल संघर्ष अक्सर मिथ्या और सत्य के बीच होता है। सत्य वह प्रकाश है जो किसी चीज की वास्तविकता को स्पष्ट करता है; फ़रैब दिखावे, चालबाजी और स्वार्थ के कपाट से निकलती है। ÷सच्चाई के दस फ़रैब के हज़ार हैं÷– यह कथन सिर्फ भाषा का अतिप्रयोग नहीं है; यह एक विडम्बना है जो हमारी सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक और व्यक्तिगत जीवन में बार-बार सुनाई देती है। यह बताता है कि कितनी बार, किस प्रकार और किस मात्रा में छद्म या धोखा देने वाली चीजें सच्चाई से अधिक व्यापक होती हैं या सच्चाई को मात देती हैं। इतिहास बताता है कि सत्ता और फ़रैब का गहरा नाता रहा है। राजा-सम्राटों, नीतिनिर्माताओं और शक्ति धारियों ने अक्सर सत्य को तोड़ा-मरोड़ा है, सूचना को नियंत्रित किया है और अपनी मंशा के अनुरूप कहानी बनायी है। धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कथाओं में भी सत्य का आवरण बदलता रहता है; कभी-कभी लोककथाएँ सत्य का ही रूप बदलकर प्रस्तुत करती हैं ताकि उन्हें स्वीकार्य और प्रेरक बनाया जा सके। ÷सच्चाई के दस फ़रैब के हज़ार हैं÷ – यह वाक्य हमें चेतावनी देता है कि सच्चाई अगर निष्क्रिय रह जाये, तो छोटे-छोटे छल मिलकर बड़े सामाजिक और नैतिक संकट पैदा कर देते हैं। पर इसका यह भी अर्थ नहीं कि सत्य की शक्ति कम है; बल्कि यह संकेत है कि सच्चाई के समर्थन में सक्रिय, सुविचारित और सामूहिक प्रयास चाहिए। शिक्षा, तकनीक, नियम-कानून और व्यक्तिगत नैतिकता – इन सभी के सम्मिलित कार्य से ही हम उस दुनिया की कल्पना कर सकते हैं जहाँ सच्चाई को प्राथमिकता मिले और फ़रैब के जाल तार-तार हों। यह कहना उचित होगा कि फ़रैब की शक्ति उसकी संख्या में नहीं, उसकी चालाकी में होती है। सच्चाई एक होती है, पर उसे स्वीकार करने वाले कम हो सकते हैं। फ़रैब अनेक हो सकते हैं, क्योंकि हर स्वार्थ अपनी सुविधा के अनुसार एक नया झूठ गढ़ लेता है। इसीलिए समाज में झूठ कभी राजनीति के रूप में, कभी प्रचार के रूप में, कभी रिश्तों के छल के रूप में, और कभी दिखावे के रूप में सामने आता है। मनुष्य का लालच, भय, असुरक्षा और स्वार्थ मिलकर इस फ़रैब को जन्म देते हैं। जब तक व्यक्ति भीतर से सच्चा न हो, तब तक बाहर की दुनिया में सच्चाई को स्थिर रखना कठिन होता है। लेकिन क्या इसका अर्थ यह है कि सच्चाई कमजोर है? बिल्कुल नहीं। सच्चाई भले ही धीमी हो, पर वह स्थायी होती है। फ़रैब जल्दी असर दिखा सकता है, पर उसका आधार कमजोर होता है। झूठ की इमारत चाहे जितनी ऊँची बने, वह किसी दिन सत्य की एक छोटी-सी हवा से भी गिर सकती है। सच्चाई की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह स्वयं को सिद्ध करने के लिए बार-बार बदलती नहीं। वह समय के साथ और अधिक उजली हो जाती है। सत्य का मार्ग कठिन ज़रूर होता है, पर उसका अंत सम्मान और विश्वास में होता है। वहीं फ़रैब का मार्ग आसान दिखता है, पर उसका अंत अपमान, अविश्वास और पतन में होता है। व्यक्ति के जीवन में सच्चाई का मूल्य बहुत बड़ा है। जो व्यक्ति सत्य के साथ जीता है, वह भले ही तुरंत लाभ न पाए, लेकिन उसका चरित्र मजबूत होता है। उसके शब्दों पर भरोसा किया जाता है, उसकी उपस्थिति में विश्वास होता है, और उसकी पहचान स्थायी बनती है। इसके विपरीत जो व्यक्ति बार-बार छल का सहारा लेता है, वह धीरे-धीरे स्वयं अपने ही जाल में उलझ जाता है। झूठ को निभाने के लिए और झूठ बोलने पड़ते हैं। एक फ़रैब को छिपाने के लिए दस और फ़रैब रचने पड़ते हैं। इस तरह झूठ का संसार फैलता जाता है, और अंततः झूठ बोलने वाला खुद अपने ही बनाए भ्रम में जीने लगता है। एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि सच्चाई हमेशा कठोर नहीं होती। कई लोग समझते हैं कि सच बोलने का अर्थ है कठोर और निर्दयी होना। लेकिन यह पूरी तरह सही नहीं है। सच्चाई को करुणा, विवेक और समय के साथ प्रस्तुत किया जा सकता है। सच का अर्थ किसी को चोट पहुँचाना नहीं, बल्कि सही दिशा दिखाना है। इसलिए सच्चाई और संवेदनशीलता में विरोध नहीं होना चाहिए। एक अच्छा मनुष्य वही है जो सच भी बोले और उसे शालीनता से बोले। इसी संतुलन में मानवता का सौंदर्य छिपा है। आज के डिजिटल युग में फ़रैब ने नए रूप धारण कर लिए हैं। अब झूठ केवल शब्दों में नहीं, तस्वीरों में, वीडियो में, पोस्टों में और सूचनाओं में भी फैलता है। सोशल मीडिया पर एक झूठी बात बार-बार इतनी तेजी से फैल सकती है कि वह सच्चाई पर भारी पड़ने लगे। ऐसे समय में विवेक, आलोचनात्मक सोच और स्रोत की जाँच पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गई है। अब केवल सुना हुआ सच नहीं, जाँचा हुआ सच ही स्वीकार्य होना चाहिए। यही आधुनिक युग की सबसे बड़ी ज़रूरत है। सत्य भले ही मौन रहे, पर उसकी गूंज सदियों तक रहती है। फ़रैब क्षणिक चमक देता है, और सच्चाई शाश्वत प्रकाश बन जाती है। झूठ कितने ही रूप बदल ले, अंत में जीत उसी की होती है जो मन, वचन और कर्म से सच्चा हो।

ज्योतिषीय दृष्टि में गुरु का महत्व !

(ज्योतिष: जीवन पथ का विज्ञान ; भाग - 71)

पिछले भाग में हमने यह समझने का प्रयास किया कि निःस्वार्थ सेवा केवल सामाजिक उत्तरदायित्व नहीं, बल्कि कर्मों को संतुलित करने का एक प्रभावी माध्यम भी है। सेवा व्यक्ति के भीतर करुणा, विनम्रता और कर्तव्यबोध का विकास करती है। इसी क्रम में अब हम भारतीय ज्ञान परंपरा के उस आधारस्तंभ पर विचार करेंगे, जिसके बिना ज्ञान, साधना और आत्मविकास की यात्रा अधूरी मानी गई है–गुरु।

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान अत्यंत उच्च माना गया है। गुरु केवल शिक्षा देने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह जीवन की दिशा दिखाने वाला मार्गदर्शक होता है। वह अज्ञान से ज्ञान, भ्रम से सत्य और अस्थिरता से संतुलन की ओर ले जाने का कार्य करता है। इसीलिए शास्त्रों में कहा गया है कि गुरु वह है जो जीवन के अंधकार को दूर कर विवेक का प्रकाश उत्पन्न करे।

ज्योतिष भी एक गूढ़ और अनुभवप्रधान विद्या है। केवल पुस्तकों का अध्ययन पर्याप्त नहीं होता; इसके गहन सिद्धांतों, व्यावहारिक प्रयोगों और नैतिक मर्यादाओं को समझने के लिए अनुभवी गुरु का मार्गदर्शन अत्यंत आवश्यक माना गया है। गुरु यह सिखाता है कि ज्योतिष का उद्देश्य भय उत्पन्न करना नहीं, बल्कि व्यक्ति को सही दिशा और उचित निर्णय की प्रेरणा देना है।

ज्योतिषीय दृष्टि से भी गुरु का विशेष महत्व है। जन्मकुंडली में बृहस्पति (गुरु) को ज्ञान, धर्म, सदाचार, विवेक और मार्गदर्शन का कारक माना गया है। जब व्यक्ति अपने जीवन में ज्ञान, विनम्रता और सत्संग को स्थान देता है, तब वह गुरु-तत्त्व के सकारात्मक प्रभाव को व्यवहार में उतारता है। यहाँ गुरु केवल एक ग्रह का नाम नहीं, बल्कि ज्ञान और प्रकाश का प्रतीक भी है।

वास्तव में सच्चा गुरु व्यक्ति को अपने ऊपर निर्भर नहीं बनाता, बल्कि उसे आत्मनिर्भर बनाता है। वह अंधविश्वास नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण आस्था सिखाता है। वह चमत्कारों का आकर्षण नहीं दिखाता, बल्कि पुरुषार्थ, संयम और सत्कर्म का मार्ग बताता है। यही गुरु की वास्तविक पहचान है। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भी जीवन में एक योग्य मार्गदर्शक का होना अत्यंत लाभकारी होता है। अनुभवहीनता, भ्रम और कठिन परिस्थितियों में उचित परामर्श व्यक्ति को अनेक गलत निर्णयों से बचा सकता है। गुरु का अनुभव शिष्य के लिए समय और ऊर्जा दोनों की बचत करता है तथा उसके आत्मविश्वास को भी सुदृढ़ करता है।

एक सामान्य भ्रान्ति यह है कि गुरु का अर्थ केवल किसी विशेष वेशभूषा वाले धार्मिक व्यक्ति से है। जबकि वास्तविकता यह है कि जो व्यक्ति अपने ज्ञान, चरित्र और अनुभव से हमें सही दिशा दिखाये, वह गुरु कहलाने योग्य है। माता-पिता, शिक्षक, आचार्य, जीवन-मार्गदर्शक और यहाँ तक कि जीवन के अनुभव भी अनेक बार गुरु का कार्य करते हैं।

साथ ही यह भी आवश्यक है कि गुरु का चयन विवेकपूर्वक किया जाए। जो व्यक्ति भय, लालच या अंधविश्वास फैलाकर लोगों का शोषण करे, वह गुरु नहीं हो सकता। सच्चा गुरु सदैव शिष्य को सत्य, नैतिकता और आत्मविकास की ओर प्रेरित करता है।

ज्योतिष का सकारात्मक पक्ष यही है कि वह गुरु को ज्ञान और विवेक का माध्यम मानता है। ग्रहों का अध्ययन तभी सार्थक है, जब वह व्यक्ति को श्रेष्ठ जीवन जीने की प्रेरणा दे। गुरु इसी प्रेरणा को जागृत करने का कार्य करता है।

अतः यह कहा जा सकता है कि गुरु का महत्व केवल ज्योतिष तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में है। गुरु ज्ञान देता है, विवेक जगाता है, भ्रम दूर करता है और व्यक्ति को उसके वास्तविक कर्तव्य का बोध कराता है। यही मार्गदर्शन जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति बन जाता है। यही संतुलित दृष्टिकोण हमें यह सिखाता है कि सच्चा गुरु वह है, जो हमें स्वयं को पहचानने, अपने कर्मों को सुधारने और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दे। ऐसा गुरु ही जीवन को प्रकाश, उद्देश्य और संतुलन प्रदान करता है।

क्रमशः

मिशन बाल विवाह मुक्त भारत 2030 : क्या विवाह निमंत्रण पत्रिका पर दूल्हा-दुल्हन की जन्मतिथि अनिवार्य करना सामाजिक क्रांति का नया अध्याय बनेगा?

भारत वर्ष 2030 तक बाल विवाह मुक्त राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है।विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने के लिए यह आवश्यक है कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा का पूर्ण उन्मूलन हो। बाल विवाह केवल कम उम्र में विवाह का विषय नहीं है, बल्कि यह शिक्षा, स्वास्थ्य, लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण और मानवाधिकारों से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। इसी संदर्भ में राजस्थान में लागू तथा महाराष्ट्र में विचाराधीन वह व्यवस्था विशेष महत्व रखती है, जिसके तहत विवाह निमंत्रण पत्रिका पर दूल्हा-दुल्हन की जन्मतिथि अनिवार्य रूप से अंकित करने का प्रस्ताव है। यह पहल केवल प्रशासनिक नियम नहीं, बल्कि सामाजिक पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने वाला प्रभावी कदम सिद्ध हो सकती है।भारतीय समाज में विवाह निमंत्रण पत्र केवल आमंत्रण का माध्यम नहीं, बल्कि विवाह की सार्वजनिक घोषणा भी होता है। यदि कार्ड पर वर-वधू की जन्मतिथि स्पष्ट रूप से अंकित हो, तो उम्र छिपाकर बाल विवाह कराना कठिन हो जाएगा। रिश्तेदार, पड़ोसी, सामाजिक संगठन और प्रशासनिक अधिकारी आसानी से यह देख सकेंगे कि विवाह करने वाले युवक-युवती कानूनी आयु लड़की 18 वर्ष और लड़का 21 वर्ष पूरी कर चुके हैं या नहीं। इससे बाल विवाह की पहचान प्रारंभिक स्तर पर ही संभव होगी और रोकथाम को बल मिलेगा।बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 की धाराएं 10 और 11 केवल माता-पिता या अभिभावकों को ही नहीं, बल्कि बाल विवाह को आयोजित, प्रोत्साहित या सहयोग करने वाले सभी व्यक्तियों और संस्थाओं को उत्तरदायी ठहराती हैं। इसके अंतर्गत प्रिंटिंग प्रेस संचालक, मैरिज हॉल मालिक, टेंट व कैटरिंग सेवा प्रदाता, बैंड संचालक, फोटोग्राफर, पंडित, मौलवी, पादरी तथा अन्य विवाह सेवा प्रदाता भी कानूनी दायरे में आते हैं। यदि वे आयु सत्यापन किए बिना बाल विवाह में सहयोग करते हैं, तो उन्हें दो वर्ष तक के कारावास और एक लाख रुपये तक के जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है।प्रिंटिंग प्रेस मालिकों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि विवाह कार्ड किसी भी विवाह प्रक्रिया का पहला औपचारिक दस्तावेज होता है। यदि कार्ड छापने से पहले आयु प्रमाण-पत्रों की जांच अनिवार्य कर दी जाए, तो अनेक संभावित बाल विवाह प्रारंभिक चरण में ही पकड़े जा सकते हैं। इसी प्रकार मैरिज हॉल, होटल और लॉन संचालक बुकिंग के समय आयु प्रमाण-पत्र और पहचान दस्तावेजों की जांच कर कानून के पालन में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। संदेह की स्थिति में संबंधित अधिकारियों को सूचना देना भी उनकी सामाजिक और कानूनी जिम्मेदारी है।धार्मिक नेताओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारतीय समाज में विवाह धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ा है। यदि पंडित, मौलवी, पादरी और अन्य धर्मगुरु आयु सत्यापन के बिना विवाह संपन्न कराने से इंकार करें, तो बाल विवाह रोकने में बड़ी सफलता मिल सकती है। समाज उन्हें नैतिक मार्गदर्शक मानता है, इसलिए उनका सहयोग सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी माध्यम बन सकता है।बाल विवाह मुक्त भारत अभियान केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता और सामूहिक जिम्मेदारी का आंदोलन है। शिक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण, महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी इसके प्रमुख आधार हैं। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अक्टूबर 2024 में दिए गए निर्देशों ने भी स्पष्ट किया कि बाल विवाह बच्चों की गरिमा, स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है तथा इसके विरुद्ध संस्थागत तंत्र को मजबूत करना आवश्यक है।अतः यदि विवाह निमंत्रण पत्रिका पर जन्मतिथि अंकित करने की व्यवस्था, डिजिटल सत्यापन प्रणाली, सेवा प्रदाताओं की जवाबदेही, धार्मिक नेतृत्व की भागीदारी और जन-जागरूकता अभियान को एक साथ लागू किया जाए, तो यह केवल प्रशासनिक सुधार नहीं बल्कि सामाजिक क्रांति का आधार बन सकता है। जब हर प्रिंटिंग प्रेस, मैरिज हॉल, कैटरर, बैंड संचालक, फोटोग्राफर, धर्मगुरु और नागरिक कानून के साथ खड़ा होगा, तभी ÷बाल विवाह मुक्त भारत 2030÷ का लक्ष्य वास्तविकता में परिवर्तित हो सकेगा।

जीवन में श्रेष्ठ पलों में कठोर श्रम कीजिए उत्तम परिणाम पाईये !

जिंदगी का मूल ही निरंतर संघर्ष श्रम संकल्प और प्रगति है। सकारात्मक उद्देश्य को लेकर किया गया श्रम सदैव श्रेष्ठ परिणाम देता है। श्रम और संघर्ष का कोई विकल्प ही नहीं है। निरंतर श्रम करना उच्च मनोबल बनाए रखना और सफलता की कामना और पवित्र महत्वाकांक्षा सफल मनुष्य के सच्चे मित्र होते हैंद्य जीवन है चलने का नाम,गति का नाम ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट्र की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है। नवप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है। इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज में 3त्र नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो । वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है। नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है,जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है।

सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है। सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषी क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है। भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं। इसी तरह न्यायिक क्षेत्र में जनहित याचिका की अवधारणा ने न्याय की अवधारणा को सर्वांगीण बनाने में सहायता प्रदान की है। यह अलग बात है कि केवल नवप्रवर्तन को ही एकमात्र निर्धारक कारक के रूप में नहीं माना जा सकता क्योंकि नवीन विचारों को स्वीकार करना और आगे बढ़ना बहुत हद तक समाज पर निर्भर करता है। पश्चिमी देशों में नवीन विचारों को जगह देने के कारण वहां पुनर्जागरण आया है। हमें समाज को नव परिवर्तन की तरफ जागरूक करने की आवश्यकता होगी और नवप्रवर्तन में ज्यादा से ज्यादा आर्थिक मदद देकर उस और और ज्यादा विचार-विमर्श कर नीति बनाने की आवश्यकता होगी। इस तरह हमें महात्मा बुद्ध के कथन अनुसार अपने या दूसरों के विचारों नवप्रवर्तनों को तर्क बुद्धि पर देखे जाने की जरूरत है, और फिर आगे बढ़ने का प्रयास किया जाना चाहिए।

सिस्टम से हारती जिंदगियां!

÷राजा धर्मेण भूमिं रक्षेत्÷ – शास्त्र कहते हैं कि शासन का पहला काम जनसुरक्षा है। जब व्यवस्था यह देने में चूकती है तो दुर्घटनाएँ महज़ हादसा नहीं रह जातीं। वे प्रशासनिक विफलता की गवाही बन जाती हैं। निलंबन और बर्खास्तगी से मूल सवाल नहीं बदलता÷ कब तक भ्रष्ट अफसरों की नाकामी से लोग मरते रहेंगे?

हाल के वर्षों में कोचिंग केंद्रों, ई-पुस्तकालयों, छात्रावासों में आग, जलभराव, बिजली का झटका, निकास के अभाव ने सैकड़ों युवाओं की जान ली। सवाल उठता है÷ क्या हमारा तंत्र सिर्फ हादसे के बाद जागता है? क्या उसकी भूमिका मुआवज़े की घोषणा तक ही है? शिक्षा का बाज़ारीकरण इस त्रासदी की जड़ है। गुरुकुलों से निकलकर शिक्षा अब तहखानों और संकरी इमारतों में कैद है। प्रतियोगिता और बेरोज़गारी की होड़ ने कोचिंग को मुनाफे का धंधा बना दिया। पचास की क्षमता वाले कमरे में सौ छात्र ठूँसे जाते हैं। ई-पुस्तकालयों में नियमों से कई गुना भीड़ होती है। उद्देश्य शिक्षा कम, कमाई ज्यादा है। नतीजा, सुरक्षा मानक कागज़ों में सिमट गए।

तुलसीदास ने कहा÷ ÷परहित सरिस धरम नहिं भाई। परपीड़ा सम नहिं अधमाई॥÷ पर जब मुनाफे के लिए बच्चों की जान दांव पर लगे तो यह सिर्फ कानून तोड़ना नहीं, मानवता की हत्या है।

ये घटनाएँ प्रशासनिक नाकामी हैं। दोषी अफसरों को जेल, जुर्माना और संपत्ति जब्ती होनी चाहिए। पर होता उल्टा है। हादसे के बाद ÷कार्रवाई होगी÷ का बयान आता है। कोई नहीं पूछता कि हादसे से पहले प्रशासन कहाँ था? असल दोष अनुमति और निगरानी की शिथिलता है। बिना सुरक्षा मानक के भवन को अनुमति कैसे मिली? अनापत्ति किसने दी? नगर निकाय, विकास प्राधिकरण, अग्निशमन, शिक्षा, विद्युत विभाग के बीच कोई समन्वय नहीं। हर कोई दूसरे पर डाल देता है। असली वजह रिश्वत और कागज़ी खानापूर्ति है। अफसर पैसा बनाकर तबादला करा लेते हैं, कीमत निर्दोष चुकाते हैं।

हमारा तंत्र हादसे के बाद ही जागता है। जाँच समिति बनती है, रिपोर्ट आती है, चर्चा होती है, फिर सब भूल जाते हैं। कबीर याद आते हैं÷ ÷काल करे सो आज कर, आज करे सो अब। पल में प्रलय होयेगी, बहुरि करोगे कब॥÷ जिम्मेदारी सबसे पहले संस्थान संचालकों की है जो लालच में छात्रों को जोखिम में डालते हैं। फिर प्रशासन की, जो निरीक्षण नहीं करता। अभिभावक भी सिर्फ परिणाम न देखें, सुरक्षा भी देखें।

बचाव के लिए हर तीन माह में सुरक्षा जाँच अनिवार्य हो। हर संस्थान में आपदा प्रशिक्षण, पर्याप्त निकास, ऑनलाइन निरीक्षण पटल बने। क्षमता से ज्यादा छात्र बैठाने पर आपराधिक मामला हो। पूरे देश में एक समान सुरक्षा नीति बने। नियम तोड़ने वाले संचालक और अनुमति देने वाले अफसर, दोनों को जेल हो।

कोचिंग हादसे तकनीकी चूक नहीं हैं। ये लालच, लापरवाही और उदासीनता का नतीजा हैं। एक छात्र की मौत सिर्फ एक जीवन नहीं, एक परिवार का सपना और देश का भविष्य खत्म करती है।

महाभारत कहता है÷ ÷प्रजासुखे सुखं राज्ञः प्रजानां च हिते हितम्।÷ शासक का सुख प्रजा के सुख में है। ज़रूरत संवेदना की नहीं, ऐसी व्यवस्था की है जहाँ कोई ज़िंदगी सिस्टम से न हारे।

कोटकासिम में छबील लगाकर राहगीरों को पिलाया ठंडा शरबत

संजय बागड़ी (कोटकासिम) शनिवार को कोटकासिम कस्बे में रेवाड़ी रोड पर स्थित नई सब्जी मंडी में समाजसेवी लोगों ने छबील लगाकर आने जाने वाले राहगीरों को ठंडा शरबत पिलाया। शिरीष कुमार भारतीय ने बताया कि समाजसेवी युवाओं की टोली ने शनिवार को भीषण गर्मी के मौसम को देखते हुए ठंडे मीठे शरबत की छबील लगाकर आने जाने वाले राहगीरों की प्यास बुझाई। इस मौके पर शरबत पिलाने वालों में सोनू आढ़ती, धोला सैनी, काला सैनी, श्री नंदी

गौशाला संचालक पवन सोनी,

अमिचंद सैनी, कुलदीप सैनी, चोला बाल्मिक, सुरेंद्रनाथ, मिंटू वर्मा, जोतराम चौधरी सहित कई बालक भी कार्यक्रम में बढ़ चढकर भाग ले रहे थे।

61 युवाओं का हुआ चयन,अब करेंगे शानदार कमाई

श्री प्रकाश राव आईटीआई में रोजगार मेले का हुआ सफल आयोजन

संजय बागड़ी (कोटकासिम) राजस्थान सरकार के रोजगार कार्यालय अलवर एवं श्री प्रकाश राव आईटीआई पाटन अहीर के संयुक्त तत्वावधान में विशाल रोजगार मेले का सफल आयोजन किया गया। रोजगार मेले में 61 युवाओं का विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में चयन कर उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

रोजगार मेले में TEQS Mahindra, Yazaki India Pvt. Ltd. (भिवाड़ी), Pukhraj, Ashok Leyland (अलवर), ICICI Bank, Hero MotoCorp (नीमराना), Eicher Motors (अलवर) तथा Motherson (भिवाड़ी) सहित 12 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों के

प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कंपनियों द्वारा अभ्यर्थियों के साक्षात्कार लिए गए तथा योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया गया।

कार्यक्रम में रोजगार कार्यालय अलवर से उप निदेशक हरीश कुमार(DD), विनोद कुमार चौधरी(AOO) एवं सहायक निदेशक विनोद कुमार शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए रोजगार एवं कौशल विकास के अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, तिजारा के शिवचरण सिंह चौहान द्वारा राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना (NAPS) के संबंध में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा युवाओं को अप्रेंटिसशिप के माध्यम से रोजगार एवं कौशल विकास के अवसरों से अवगत कराया। कार्यक्रम में मंच संचालन प्राचार्य कप्तान सिंह ने किया।अंत में आई टी आई के चेयरमैन डॉ.संदीप यादव ने सभी अतिथियों, रोजगार कार्यालय के अधिकारियों, कंपनियों के प्रतिनिधियों, संस्थान के स्टाफ एवं रोजगार मेले में भाग लेने वाले सभी अभ्यर्थियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु ऐसे रोजगार मेलों का नियमित आयोजन किया जाता रहेगा।

अखाड़े के उस्तादों का माला और साफा नवाजी कर किया स्वागत सत्कार

(बारां) जिले के अंता ब्लॉक के गांव बालदडा मे मोहर्रम जुलुस मे सरपंच मोहम्मद शरीफ खान एवं मोहम्मद रिजवान खान, सदर अंजुमन कमेटी अशफाक खान के द्वारा मोहर्रमों में भाग लेने वाले सभी अखाडो के उस्तादों का माला पहनाकर एवं साफा नवाजी कर इस्तकबाल किया गया। वहीं अंजुमन कमेटी के सदर मोहम्मद अशफाक खान,शहादत अली बेलिम, अली हुसैन टीपू,उस्ताद, फखरुद्दीन, सलीम, निहाल, अहमद, रिजवान,फिरोज खान, मोहम्मद खलील, एडवोकेट मोहम्मद आकिब, अशरफ अली, फरीद खान, इमामुद्दीन, इलामुदिन, आरिफ हुसैन, लियाक़त अली, मोईनुद्दीन, इमामुदिन टेलर,शान, शाहिल, मोईन खान, मांगीलाल,पूर्व सदर रुखसार अहमद,नयाब सदर इस्लामुद्दीन,इनायत हुसैन,

अफजल हुसैन,मोनू भट्टी,सहित मोहम्मद परवेज़ ने मोहर्रम के जुलूस निकालने में अहम भूमिका निभाई।

सरपंच मोहम्मद शरीफ खान, मोहम्मद रिजवान खान, सदर मोहम्मद अशफाक खान ने इस्तकबाल किया।

मेघवाल विकास समिति बहरोड़ कोटपुतली स्थित महिला छात्रावास में कराएगी एक कमरे का निर्माण

मेघवाल विकास समिति जिला कोटपूतली बहरोड की खास बैठक का हुआ आयोजन

संजय बागड़ी (कोटपुतली) मेघवाल विकास समिति जिला कोटपूतली बहरोड की एक खास बैठक का आयोजन शनिवार को हुआ जिसमें समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लिया ओर विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर बातचीत की। इस खास बैठक का आयोजन महिला छात्रावास कोटपूतली में किया गया जिसमें जिले के सभी ब्लॉकों में गठित मेघवाल विकास समिति की ब्लॉक स्तरीय शाखाओं के ब्लॉक अध्यक्षों की गरिमामय उपस्थिति रही। बैठक में मेघवाल विकास समिति बहरोड द्वारा महिला छात्रावास में एक कमरे के निर्माण हेतु दो किस्त एक साथ जमा कराते हुए एक लाख रुपए नगद मेघवाल विकास

समिति जिला कोटपूतली बहरोड के जिला अध्यक्ष एडवोकेट सुबे सिंह मोरोडिया को प्रदान किए। इस मौके पर मेघवाल विकास समिति बहरोड़ के संरक्षक छाजूराम मेघवाल, ब्लॉक अध्यक्ष बहरोड विजय सिंह भीटेडा, जगदीश महाशय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजाराम, राजकुमार मोरोडिया, प्रकाश चंद चोरोडिया, दिनेश कुमार मेहरा, कपिल देव चौरडिया, प्रकाश चंद आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अलवर में उद्यमिता जागरूकता एवं विक्रेता विकास कार्यक्रम आयोजित, 140 से अधिक उद्यमियों ने लिया भाग

दैनिक प्राइम न्यूज़ राजस्थान

अलवर, 25 जून। दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (DICCI) राजस्थान चैप्टर द्वारा राष्ट्रीय अनुसूचित जाति-जनजाति हब (NSSH), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से होटल मयूर, अलवर में उद्यमिता जागरूकता एवं विशेष विक्रेता विकास कार्यक्रम (EASVDP) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 140 से अधिक SC/ST, महिला एवं युवा उद्यमियों ने भाग लेकर सरकारी योजनाओं, वित्तीय सहायता और सरकारी खरीद प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट अम्बा लाल मीणा ने

कहा कि सरकारी खरीद प्रणाली और विक्रेता विकास कार्यक्रमों में उद्यमियों की सक्रिय भागीदारी से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। डिक्की राजस्थान चैप्टर के अध्यक्ष देवकीनंदन गोधा और राष्ट्रीय स्ष्ट-स्ञ्ज हब के प्रभारी कुलदीप सिंह राजपूत ने कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए उद्यमियों को केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। तकनीकी सत्रों में MSME योजनाएं, राज्य सरकार की औद्योगिक योजनाएं, भारतीय रेलवे एवं FCI में विक्रेता अवसर, GeM पोर्टल पर पंजीकरण, बैंक ऋण, वित्तीय सहायता, वित्तीय साक्षरता तथा कौशल विकास जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान आयोजित ओपन हाउस चर्चा में उद्यमियों ने सरकारी खरीद, त्वद्गरूपंजीकरण, बैंक ऋण और विभिन्न योजनाओं से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने समाधान किया। समापन अवसर पर डिक्की राजस्थान चैप्टर के अध्यक्ष देवकीनंदन गोधा ने कहा कि संस्था का उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के उद्यमियों को सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि डिक्की का मूल मंत्र है– ÷नौकरी मांगने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बनें।÷ कार्यक्रम के अंत में उपाध्यक्ष निमेश बाबा ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह समिति खैरथल की विशेष बैठक आज

संजय बागड़ी (खैरथल) आज दिनांक 28 जून 2026 वार रविवार को जाटव धर्मशाला में डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती आयोजन समिति की एक विशेष बैठक का आयोजन किया जा रहा है। बैठक सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगी जिसमें जयंती कार्यक्रम के दौरान हुए आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया जाएगा। मेघवाल विकास समिति जिला खैरथल तिजारा के अध्यक्ष राजेंद्र जाटव के निर्देशन में इस बैठक का आयोजन होना है।समिति सचिव राधेश्याम ने यह जानकारी साझा करते हुए समाज के लोगों से बैठक में अधिकाधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया है।

बाबा भोमिया मंदिर में भक्ति रस में सराबोर हुए श्रद्धालु

भजन संध्या देर रात तक रही आकर्षण का केंद्र

रिपोर्टर - मुकेश मीना

छुरिया जोड़ (मुंडावर), 27 जून।

क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बाबा भोमिया जी मंदिर, छुरिया जोड़ में आयोजित भव्य भजन संध्या में शनिवार रात श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर बाबा भोमिया जी के दर्शन किए और भजनों का आनंद लेते हुए भक्ति भाव से झूम उठे।

भजन संध्या में सुप्रसिद्ध भजन गायक संजय कसाना एंड पार्टी ने गणेश वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने जयकारों और तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि रविवार प्रातः विशाल देसी घी के भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आसपास के गांवों सहित दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्रामीणों और युवा कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा।

मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया, वहीं सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं के भी समुचित प्रबंध किए गए। देर रात तक भजन संध्या का आयोजन श्रद्धा, आस्था और उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। आस पास के सभी लोगो में उत्साह का माहौल रहा

खंडार पुलिस की बड़ी कार्रवाई

निवेश के नाम पर ऑनलाइन ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, मोबाइल-सिम और बाइक जब्त

सवाई माधोपुर। खंडार थाना पुलिस ने साइबर ठगी के एक मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए निवेश के नाम पर लोगों से ऑनलाइन ठगी करने वाले 26 वर्षीय कपिल जाट निवासी साबलपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक एंड्रॉयड मोबाइल, दो सिम कार्ड और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की है।

पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्री के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में सामने आया कि आरोपी टेलीग्राम और व्हाट्सएप के माध्यम से फर्जी इन्वेस्टमेंट लिंक भेजकर लोगों को कम समय में अधिक मुनाफे का लालच देता था। झांसे में आने वाले लोगों से वह ऑनलाइन रकम ऐंठता था। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ साइबर पोर्टल पर राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र सहित कई राज्यों से शिकायतें दर्ज हैं। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह करीब एक वर्ष से इस साइबर ठगी नेटवर्क से जुड़ा हुआ था और फर्जी निवेश योजनाओं के जरिए लोगों को निशाना

बनाता था। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है ताकि गिरोह के अन्य सदस्यों और ठगी के पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि सोशल मीडिया

पर आने वाले किसी भी निवेश प्रस्ताव, अनजान लिंक या अधिक मुनाफे के लालच में न आएं। साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं

राष्ट्रीय रोजगार नीति की मांग तेज, शिक्षित बेरोजगारों ने उठाई 20 हजार रुपये मासिक बेरोजगारी भत्ते की आवाज

भर्ती प्रक्रिया तय समय में पूरी करने की मांग, युवाओं ने रोजगार सुधारों का रखा व्यापक प्रस्ताव

मेगा मिशन जनसंपर्क अभियान के तहत किसान भवन के समीप लोक सेवा मंच के पदाधिकारियों और शिक्षित बेरोजगार युवाओं की बैठक आयोजित हुई। बैठक में युवाओं ने रोजगार से जुड़ी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए सरकार से राष्ट्रीय रोजगार नीति जल्द लागू करने की मांग उठाई। प्रतिभागियों का कहना था कि स्पष्ट रोजगार नीति के अभाव में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर और भर्ती प्रक्रिया अनिश्चित बनी हुई है। बैठक में सामाजिक कार्यकर्ता अशोक प्रधान, लोक सेवा मंच की कोर समिति के सदस्य बीके राम सिंह तथा नंदलाल यादव सहित अनेक युवाओं ने अपने विचार रखे। युवाओं ने कहा कि विभिन्न भर्ती एजेंसियों द्वारा रिक्त पदों की अधिसूचना जारी करने से लेकर नियुक्ति तक की प्रक्रिया में अत्यधिक समय लग जाता है, जिससे अभ्यर्थियों को लंबे समय तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है। उन्होंने कर्मचारी चयन आयोग की तर्ज पर केंद्र और हरियाणा की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं का वार्षिक कैलेंडर जारी करने की मांग की, ताकि विज्ञापन, परीक्षा, परिणाम और नियुक्ति का समय पहले से तय हो। बैठक में यह भी सुझाव दिया गया कि प्रतियोगी परीक्षाओं तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाओं में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को बस, रेल और हवाई यात्रा में रियायत दी जाए तथा निजी वाहन से आने पर मार्ग शुल्क में छूट मिले। अशोक प्रधान ने कहा कि मानव संसाधनों के समुचित प्रबंधन के अभाव में बेरोजगारी बढ़ रही है। उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षित बेरोजगारों के लिए वर्ष में दो बार निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार की व्यवस्था करने, गांव और शहरों में खेल मैदान, व्यायामशाला तथा युवा क्लबों का विस्तार करने की आवश्यकता बताई।

बैठक में उपस्थित युवाओं ने सुझाव दिया कि शिक्षित बेरोजगारों को आजीविका सहायता के रूप में प्रतिमाह 20 हजार रुपये का बेरोजगारी भत्ता दिए जाने पर भी सरकार विचार करे। सभी मांगों को जनहित और रोजगार व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया गया।

वरिष्ठ नेता नवाब सिंह नागर ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से की शिष्टाचार भेंट

क्षेत्रीय अध्यक्ष पश्चिम बनाए जाने पर जताया आभार

उत्तर प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर ने भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा उन्हें क्षेत्रीय अध्यक्ष पश्चिम का दायित्व सौंपे जाने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट की तथा शीर्ष नेतृत्व के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी संगठनात्मक शक्ति है, जहां कार्यकर्ता ही सबसे बड़ी पूंजी है। पार्टी ने हमेशा जमीन से जुड़े, समर्पित और संघर्षशील कार्यकर्ताओं को सम्मान देने का कार्य किया है। नवाब सिंह नागर की नियुक्ति के बाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश के भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह और खुशी का माहौल है। पार्टी कार्यकर्ताओं का मानना है कि उनके लंबे संगठनात्मक अनुभव, जनसंपर्क और सक्रिय कार्यशैली से संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने में नई ऊर्जा का संचार होगा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने शीर्ष नेतृत्व के इस निर्णय का स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि श्री नवाब सिंह नागर के नेतृत्व में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में संगठन और अधिक सशक्त एवं गतिशील बनेगा।

शहीद विजयंत थापर की स्मृति में सेवा का महाअभियान, 50 हजार से अधिक लोगों तक पहुंचा जनजागरण का संदेश

10 घंटे तक चला जनसेवा अभियान, युवाओं ने राष्ट्रभक्ति के साथ पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

कारगिल युद्ध के अमर वीर शहीद कैप्टन विजयंत थापर की स्मृति में नोएडा एक्टिव संस्था समूह और वाईएसएस फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में बॉटनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन पर मेगा शरबत वितरण एवं शून्य अपशिष्ट अभियान आयोजित किया गया। सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक चले 10 घंटे के इस जनसेवा अभियान में 100 से अधिक युवा स्वयंसेवकों ने 50 हजार से अधिक लोगों को निःशुल्क शरबत वितरित किया। इसके साथ ही प्लास्टिक मुक्त भारत, जल संरक्षण, इस्पात के बर्तनों के उपयोग तथा शून्य अपशिष्ट जीवनशैली अपनाने का संदेश भी दिया गया।

कार्यक्रम में शहीद कैप्टन विजयंत थापर के पिता कर्नल वी.एन. थापर, माता तृप्ता थापर तथा परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। उन्होंने युवाओं को राष्ट्रसेवा, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और मानवीय मूल्यों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। पूरे आयोजन के दौरान देशभक्ति के नारों से वातावरण उत्साहपूर्ण बना रहा। अभियान में गौतम बुद्ध नगर की अपर पुलिस उपायुक्त मनीषा सिंह, चौकी प्रभारी सतनाम सिंह, डॉ. अशोक श्रीवास्तव, डॉ. रंजन तोमर, कर्नल अमिताभ अमित, अनुज अग्रवाल, मनीष गुप्ता, प्रो. राजेश सहाय, विशाल शर्मा, एन.के. अग्रवाल तथा सत्य नारायण गोयल सहित अनेक समाजसेवी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। पूरे अभियान का नेतृत्व वाईएसएस फाउंडेशन के निदेशक सचिन गुप्ता ने किया। अभियान को दिल्ली मेट्रो रेल निगम तथा नोएडा प्राधिकरण का सहयोग मिला। संचालन दुर्गा प्रसाद दुबे, शीतल शर्मा, दिनेश कुमार, प्रशांत यादव और संदीप यादव ने किया। डॉ. अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र निर्माण के कार्यों के माध्यम से ही दी जा सकती है। आयोजकों के अनुसार यह अभियान केवल शरबत वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी को बढ़ावा देने वाला प्रेरक जनजागरण अभियान बनकर सामने आया।

सुल्तानपुर बैडमिंटन टूर्नामेंट का आगाज, तीन, दिन तक खेल प्रतिभा का होगा दमदार प्रदर्शन

आशीर्वाद स्पोर्ट्स क्लब, अटल पथ, गली संख्या 18, विवेकनगर की ओर से आयोजित तीन दिवसीय सुल्तानपुर बैडमिंटन प्रतियोगिता-2026 का शुक्रवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता 26 से 28 जून तक आयोजित की जा रही है। इसमें सुल्तानपुर तथा आसपास के क्षेत्रों के प्रतिभाशाली खिलाड़ी विभिन्न आयु वर्गों में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का परिचय दिया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि परियोजना निदेशक अशोक कुमार सिंह रहे। विशिष्ट अतिथियों में जिला परिवीक्षा अधिकारी वी. के. वर्मा तथा क्रीड़ा अधिकारी राजेश सोनकर शामिल रहे। कार्यक्रम में खेल प्रेमी, अभिभावक और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे। अशोक कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा के साथ बच्चों की खेलों में सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। खेल शारीरिक और मानसिक विकास के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता तथा टीम भावना को मजबूत बनाते हैं। उन्होंने कहा कि बैडमिंटन खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता, त्वरित निर्णय लेने की योग्यता और फुर्ती को विकसित करने वाला महत्वपूर्ण खेल है। नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने वाले बच्चे जीवन की चुनौतियों का सामना अधिक सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ कर पाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि खेल युवाओं को नशे और अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर रखकर जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में यशार्थ गुप्ता, आकाश तिवारी, आदित्य मिश्रा, ऋषभ मिश्रा, अंशुमान गुप्ता और विराज तिवारी सहित पूरी आयोजन टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य जिले में बैडमिंटन को बढ़ावा देना तथा उभरते खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराना है। आगामी दिनों में विभिन्न वर्गों के फाइनल मुकाबले होंगे, जिनके बाद विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

आंगनबाड़ी-प्राथमिक विद्यालय समन्वय अभियान तेज, 30 जून तक पूरी होगी प्रदेशव्यापी मैपिंग

बुनियादी शिक्षा को मिलेगा नया आधार, बच्चों के सहज विद्यालय प्रवेश के लिए मिशन मोड में अभियान

उत्तर प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों और प्राथमिक विद्यालयों के बीच समन्वय बढ़ाने हेतु को-लोकेशन और वैज्ञानिक मैपिंग अभियान को मिशन मोड में तेज कर दिया है। सरकार का लक्ष्य 30 जून तक पूरे प्रदेश में यह कार्य पूरा कर बच्चों के विद्यालय प्रवेश की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाना है।

बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बुनियादी शिक्षा को मजबूत करने के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों और प्राथमिक विद्यालयों के बीच बेहतर तालमेल आवश्यक है। इससे बच्चों को विद्यालयी शिक्षा के लिए पहले से तैयार किया जा सकेगा। शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं के समन्वित लाभ से बच्चों के सीखने की गुणवत्ता में सुधार होगा तथा बालवाटिका और निपुण भारत मिशन को भी मजबूती मिलेगी।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के संयुक्त दिशा-निर्देशों के तहत चल रहे इस अभियान के अंतर्गत विद्यालय पूर्व तैयारी, बच्चों के सहज विद्यालय संक्रमण और विभिन्न सेवाओं के प्रभावी एकीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी तथा निदेशक बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार हर्षिता माथुर ने संयुक्त निर्देश जारी किए हैं। इनके अनुसार सभी जिलों में मैपिंग, यू-डायस अद्यतन और मध्याह्न भोजन पोर्टल पर विवरण अपलोड करने का संयुक्त सत्यापन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला कार्यक्रम अधिकारी करेंगे।

विद्यालय परिसर में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों को सह-स्थित केंद्र के रूप में दर्ज किया जाएगा, जबकि परिसर से बाहर स्थित केंद्रों की दूरी के आधार पर निकटतम प्राथमिक विद्यालय से मैपिंग होगी। 200 मीटर के भीतर स्थित केंद्रों को उसी विद्यालय से जोड़ा जाएगा। शहरी क्षेत्रों में 500 मीटर और ग्रामीण क्षेत्रों में एक किलोमीटर के भीतर स्थित विद्यालयों को प्राथमिकता दी जाएगी। सरकार का मानना है कि इस व्यवस्था से आंकड़ों की शुद्धता, योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और बच्चों तक सुविधाओं की समयबद्ध पहुंच सुनिश्चित होगी।

योगी सरकार का बड़ा दांव, 149 आईटीआई में शुरू होंगे 11 आधुनिक तकनीकी पाठ्यक्रम, 1,065 पदों पर होगी भर्ती

कपिल देव अग्रवाल बोले, उत्तर प्रदेश को देश का सबसे बड़ा कौशल विकास केंद्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम

उत्तर प्रदेश सरकार ने युवाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण देकर रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कौशल विकास आधारित नीति के तहत टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के सहयोग से प्रदेश के 149 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और अलीगंज, लखनऊ स्थित एक प्रादेशिक स्टाफ प्रशिक्षण एवं शोध केंद्र में 11 आधुनिक तकनीकी पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इन पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए कुल 1,065 पदों पर आउटसोर्सिंग के माध्यम से भर्ती की जाएगी।

व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि तकनीकी शिक्षा को नई आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल की स्वीकृति के बाद 171 कार्यशाला प्रशिक्षक और 894 प्रशिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। सभी सेवाओं का चयन सरकारी ई-बाजार पोर्टल के माध्यम से निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पारदर्शी ढंग से होगा। सेवा प्रदाता एजेंसी का चयन कार्मिक, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा श्रम विभाग के नियमों के अनुरूप किया जाएगा। अभ्यर्थियों की शैक्षिक योग्यता और अन्य मानक प्रशिक्षण निदेशालय तय करेगा। इस संबंध में वित्त विभाग की सहमति के बाद शासनादेश भी जारी कर दिया गया है।

इन संस्थानों में इलेक्ट्रिक वाहन मैकेनिक, औद्योगिक रोबोटिक्स, डिजिटल विनिर्माण, उन्नत सीएनसी मशीनिंग, विनिर्माण प्रक्रिया नियंत्रण एवं स्वचालन, औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स, त्रि-आयामी प्रिंटिंग, सीएएम प्रोग्रामिंग, यांत्रिक डिज़ाइन एवं आभासी सत्यापन तथा उन्नत औजारों के उपयोग सहित कुल 11 आधुनिक पाठ्यक्रम पढ़ाए जाएंगे।

कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि इन पाठ्यक्रमों से प्रशिक्षित युवा देश और विदेश की उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बनेंगे। सरकार का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी कौशल विकास केंद्र बनाना और युवाओं के लिए रोजगार के बेहतर अवसर सुनिश्चित करना है।

चार दिवसीय अमेठी-रायबरेली प्रवास पर रहेंगे सांसद किशोरी लाल शर्मा

अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा 26 से 29 जून 2026 तक चार दिवसीय अमेठी-रायबरेली प्रवास पर रहेंगे। प्रवास के दौरान वे विभिन्न सामाजिक, संगठनात्मक एवं विकास संबंधी कार्यक्रमों में भाग लेने के साथ-साथ क्षेत्र की जनता से संवाद करेंगे तथा उनकी समस्याओं एवं सुझावों से भी रूबरू होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 27 जून (शनिवार) को सांसद श्री शर्मा सुल्तानपुर में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में शामिल होंगे। बैठक में वे क्षेत्र में संचालित विकास योजनाओं की प्रगति एवं क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे। इसके बाद वे अमेठी क्षेत्र के विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता करते हुए आमजन से मुलाकात करेंगे। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सांसद किशोरी लाल शर्मा का उद्देश्य क्षेत्र की जनता से सतत संवाद बनाए रखना, विकास कार्यों को गति देना तथा जनसमस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास करना है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि वे क्षेत्र में नियमित रूप से प्रवास कर लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनते हैं और जनसेवा की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

गड्ढा मुक्त योजना की पोल खोल रहा दुर्गन भवानी मार्ग, हादसों से दहल रहा धाम

मंदिर के पास गिरकर चोटिल हो चुके हैं कई राहगीर

यूपी सरकार की बहुप्रचारित गड्ढा मुक्त सड़क योजना अमेठी में धरातल पर फेल साबित हो रही है। जनपद मुख्यालय गौरीगंज से महज 6 किमी दूर आस्था के केंद्र राघीपुर स्थित मां दुर्गन भवानी धाम को जोड़ने वाली सड़क पर गड्ढों का ऐसा जाल बिछा है कि राहगीरों की जान जोखिम में पड़ गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बीते कई महीनों से सड़क की स्थिति बद से बदतर है। बरसात में गड्ढे पानी से भर जाते हैं और राहगीर अंदाजा नहीं लगा पाते। नतीजा हर दिन बाइक सवार, दर्शनार्थी और ग्रामीण गड्ढों में गिरकर घायल हो रहे हैं। कई चार पहिया वाहन गड्ढों में फंसकर पलट चुके हैं। एक-दो हादसों में लाखों रुपये का नुकसान भी हो चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि इस जर्जर सड़क की खबरें अखबारों में कई बार छप चुकी हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुए, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के संज्ञान में बातें गईं। बावजूद इसके पीडब्ल्यूडी और जिला प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। सड़क पर पैचवर्क के नाम पर खानापूर्ति कर दी जाती है जो दो बारिश में धुल जाती है। मां दुर्गन भवानी धाम पर नवरात्रि और अन्य पर्वों पर हजारों श्रद्धालु आते हैं। टूटी सड़क के कारण बुजुर्ग और महिलाएं दर्शन करने से कतराने लगे हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि आस्था के मार्ग पर ऐसी उपेक्षा शर्मनाक है।ग्रामीणों ने सीधा सवाल उठाया है कि जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद गड्ढा मुक्त यूपी का दावा करते हैं, तो गौरीगंज जैसी वीआईपी जिले की सड़कें क्यों बदहाल हैं? लोगों का आरोप है कि ठेकेदारों और अधिकारियों की मिलीभगत से सरकारी योजनाओं को पलीता लगाया जा रहा है। क्षेत्रवासियों और धाम आने वाले श्रद्धालुओं ने जिलाधिकारी और पीडब्ल्यूडी से मांग की है कि सड़क की स्थायी मरम्मत कराकर इसे पूरी तरह गड्ढा मुक्त किया जाए। अब देखना यह है कि हादसों के बाद भी जिम्मेदार कब जागते हैं और गड्ढा मुक्त का नारा हकीकत बनता है या सिर्फ कागजों तक सीमित रहता है।

राही में मोहर्रम पर उमड़ा जनसैलाब, धधकते अंगारों पर युवाओं ने निभाई शोक परंपरा

मिल एरिया थाना क्षेत्र के राही ग्राम में शुक्रवार देर रात तक मोहर्रम का पर्व श्रद्धा, शोक और अनुशासन के साथ शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की स्मृति में निकाले गए मातमी जुलूस में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूरे मार्ग पर धार्मिक उद्घोष गूंजते रहे और लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार शोक व्यक्त किया।आयोजन का प्रमुख आकर्षण धधकते अंगारों पर की जाने वाली पारंपरिक शोक परंपरा रही। मुख्य चौक पर तैयार किए गए अंगारों पर अंजुमन के सैकड़ों युवाओं ने नंगे पैर चलकर और दौड़कर अपनी आस्था व्यक्त की। इस धार्मिक परंपरा को देखने के लिए आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। जुलूस के दौरान श्रद्धालुओं ने छाती पीटकर शोक व्यक्त किया तथा कर्बला की स्मृति में शोक गीत भी प्रस्तुत किए।सामाजिक सौहार्द का परिचय देते हुए स्थानीय लोगों ने जुलूस मार्ग पर कई स्थानों पर पेयजल और शर्बत की प्याऊ लगाकर श्रद्धालुओं की सेवा की। पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन और शांति का वातावरण बना रहा।देर रात तक चले इस संवेदनशील धार्मिक आयोजन को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह सतर्क रही। मिल एरिया थाने की पुलिस तथा वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वयं मौके पर मौजूद रहकर सुरक्षा व्यवस्था संभाली। प्रशासन की निगरानी और स्थानीय लोगों के सहयोग से मोहर्रम का पूरा कार्यक्रम बिना किसी अप्रिय घटना के शांतिपूर्वक संपन्न हो गया।

चक्कर आने से बाइक अनियंत्रित, युवक गंभीर घायल; सीएचसी से रेफर

संग्रामपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को सड़क हादसे में 21 साल का युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर स्थानीय लोगों ने मानवता दिखाते हुए उसे तुरंत सीएचसी संग्रामपुर पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखकर उच्च केंद्र रेफर कर दिया। जानकारी के मुताबिक भेभौरा विशेश्वरगंज निवासी आकाश वर्मा, 21 पुत्र राम समुझ वर्मा, अपनी पत्नी के साथ प्रतापगढ़ से लोहिया नगर होते हुए बाइक से घर लौट रहे थे। कालिकन धाम इंटर कॉलेज के सामने रोड ब्रेकर के पास अचानक आकाश को चक्कर आ गया। नियंत्रण हटते ही बाइक सड़क पर गिर गई। हादसे में आकाश को गंभीर चोटें आईं, जबकि पीछे बैठी पत्नी बाल-बाल बच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने निजी वाहन से घायल को सीएचसी पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। घटना के बाद परिजनों में चिंता का माहौल है।स्थानीय लोगों ने वाहन चालकों से अपील की - स्पीड ब्रेकर और मोड़ों पर सावधानी रखें। अस्वस्थ महसूस होने पर गाड़ी न चलाएं, वरना एक पल की लापरवाही भारी पड़ सकती है।

छत्रपति शाहूजी महाराज की मनाई गई जयंती

जिला मुख्यालय स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय, गौरीगंज में शुक्रवार को छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष राम उदित यादव ने की। इस अवसर पर पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने छत्रपति शाहूजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके बताए सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राम उदित यादव ने कहा कि छत्रपति शाहूजी महाराज ने समाज के वंचित, पिछड़े और गरीब वर्गों के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य किए। उन्होंने शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ सामाजिक समानता की स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके विचार आज भी समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा उनके आदर्शों पर चलकर सामाजिक न्याय और बराबरी की लड़ाई लड़ती रहेगी।

पार्टी के जिला महामंत्री अरशद अहमद ने कहा कि छत्रपति शाहूजी महाराज गरीबों, शोषितों और वंचितों के सच्चे मसीहा थे। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मान दिलाने का कार्य किया। उनके आदर्शों को अपनाकर ही एक मजबूत और समतामूलक समाज का निर्माण किया जा सकता है।

इस अवसर पर संगठन विस्तार अभियान के तहत गौरीगंज नगर पालिका क्षेत्र के पांच प्रमुख व्यापारियों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी में शामिल होने वालों में कामद अग्रहरि, रवींद्र अग्रहरि, आयुष अग्रहरि, कामता साहू, अरुण जायसवाल तथा अरविन्द गुप्ता शामिल रहे।

शिक्षा में नवाचार और तकनीक पर मंथन, विशेषज्ञों ने शिक्षकों को दिए भविष्य के मंत्र

दो दिवसीय शिक्षक सम्मेलन का आगाज, शोध, संवाद और नेतृत्व विकास पर रहा विशेष जोर

कर्मा देवी शैक्षणिक समूह के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय व्यावसायिक समृद्धि सम्मेलन-2026 का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, तकनीकी नवाचार, नेतृत्व क्षमता और बदलते शैक्षणिक परिवेश के अनुरूप तैयार करना है। पहले दिन कर्मा देवी समूह, बस्ती तथा जीडी गोयनका स्कूल, बरेली के शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। पुलिस उपमहानिरीक्षक संजीव त्यागी, जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्स्ना, कर्मा देवी शैक्षणिक समूह के अध्यक्ष (सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी) ओ.एन. सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशु सिंह गौतम तथा मुख्य सूचना अधिकारी यजुवेंद्र विक्रम सिंह सहित अन्य अतिथियों का स्मृति चिह्न और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। प्रथम सत्र में शिक्षकों के लिए परिचयात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं। इसमें विद्यार्थियों से प्रभावी संवाद, कक्षा में सहभागिता बढ़ाने और व्यवहारिक शिक्षण तकनीकों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रश्नोत्तर और विभिन्न गतिविधियों में शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशु सिंह गौतम ने कहा कि शिक्षा में केवल बदलाव नहीं, बल्कि सोच में परिवर्तन आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों में रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और जीवन कौशल विकसित करने पर बल दिया। जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्स्ना ने कहा कि शिक्षा समाज में सकारात्मक परिवर्तन का सबसे मजबूत आधार है और शिक्षक नैतिक मूल्यों, संवेदनशीलता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित कर बेहतर समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। पुलिस उपमहानिरीक्षक संजीव त्यागी ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर लेकर आई है। शिक्षकों को तकनीक के अनुरूप स्वयं को निरंतर अद्यतन रखना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. रक्षित टंडन ने ऑनलाइन माध्यम से साइबर सुरक्षा, डिजिटल जागरूकता और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग पर जानकारी दी। अध्यक्ष ओ.एन. सिंह ने सफल नेतृत्व के लिए स्पष्ट दृष्टि, अनुशासन और प्रभावी क्रियान्वयन को आवश्यक बताया। सम्मेलन में परिचर्चा, शोधपत्र प्रस्तुतीकरण तथा खेल गतिविधियां भी आयोजित की गईं। पहले दिन का समापन सीखने, नवाचार और अनुभव साझा करने के सकारात्मक माहौल के साथ हुआ। दूसरे दिन शिक्षा, अनुसंधान और तकनीक से जुड़े कई महत्वपूर्ण सत्र आयोजित होंगे।

मथुरा में साहित्य का महाकुंभ, तीन पुस्तकों के लोकार्पण के साथ गूंजी काव्य की स्वरधारा

कविता, दोहा, गीत और हाइकु से सजा साहित्यिक उत्सव, रचनाकारों ने समाज, संस्कार और जीवन के विविध रंग उकेरे

28 सारंग विहार, मथुरा स्थित डॉ. दिनेश पाठक 'शशि' के आवास पर सरस काव्य गोष्ठी एवं तीन पुस्तकों का लोकार्पण सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अभियोजन अधिकारी अरुण कुमार दुबे रहे। अतिथि डॉ. के. उमराव विवेकनिधि तथा अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार देवी प्रसाद गौड़ ने की। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दिनेश पाठक 'शशि' ने किया। गोष्ठी में डॉ. अनुराधा प्रियदर्शिनी ने पिता पर केंद्रित रचना प्रस्तुत की-

पापा मेरे सरल हृदय के, अद्भुत व्यक्तित्व निराला
सख्त नारियल खोल के जैसे,
मिश्री मक्खन का निवाला।

देवी प्रसाद गौड़ ने बुजुर्गों की उपेक्षा पर व्यंग्य दोहे सुनाए:

बेटी ने कहा, पापा दादी का फोन आया है
दवाई को पैसा मंगाया है...

तथा विदेश बसे बेटों पर कहा:

पापा जी फूले फिरे, बेटा गया विदेश
अर्थी रोई फूटकर, अब तो लौट स्वदेश।

डॉ. के. उमराव विवेकनिधि ने 'शरीर विज्ञान शतक' से रचनाएँ पढ़ीं

कफ, वात औ पित्त का, संतुलित रखें विधान
मौसम के अनुकूल ही, करें खान और पान।

मदन मोहन शर्मा 'अरविन्द' ने सुनाया:

सपने मत देखा करो, इनका ओर न छोर
दूर बहुत ले जायेंगे, थामे रखना डोर।

प्राची खण्डेलवाल ने बचत पर कविता पढ़ी:

हर महीने थोड़ा-थोड़ा, सबको जोड़ना पड़ता है
एसआईपी का छोटा सा कदम,
भविष्य सुनहरा करता है।

प्रियंका खण्डेलवाल ने 'सांप-सीढ़ी' रचना से अच्छे कर्मों की प्रेरणा दी।

श्रीमती शशि पाठक ने गीत व हाइकु प्रस्तुत किए:

बूंद-बूंद थी, नदी में मिलकर, हुई उदधि।

बालिका तारिका ने कवि सोहनलाल द्विवेदी जी की कविता 'लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती' सुनाकर वाहवाही लूटी।

डॉ. दिनेश पाठक 'शशि' ने हाइकु सुनाए-

नैनों की कोर, भीगीं तो बोलीं बोल, बिन बोले ही।
बेपहचान, अपने ही घर में, आज इंसान।

काव्य पाठ के बाद डॉ. अनुराधा प्रियदर्शिनी के काव्य संग्रह 'सारंग राग', डॉ. के. उमराव विवेकनिधि के 'शरीर विज्ञान शतक' एवं मदन मोहन शर्मा 'अरविन्द' के कहानी संग्रह 'अपना-अपना सच' का लोकार्पण हुआ। देवी प्रसाद गौड़ ने अपनी ब्रजभाषा पुस्तक 'मन ठाकुर के तुलसी दल' सभी को भेंट की। कार्यक्रम में नैना, ईशान, माधवी एवं फ्लफी भी उपस्थित रहे।

प्रयागराज के विक्रम मोंट्रोज ने बॉलीवुड में रचा सफलता का नया सुर, एक के बाद एक सुपरहिट गीतों से बनाई पहचान

सिविल लाइंस, प्रयागराज के निवासी विक्रम मोंट्रोज ने अपने संघर्ष, प्रतिभा और समर्पण के दम पर हिंदी फिल्म जगत में संगीत निर्देशक के रूप में मजबूत पहचान बनाई है। सेंट जोसेफ स्कूल, प्रयागराज से वर्ष 2005 में शिक्षा पूरी करने के बाद वह अपने सपनों को साकार करने के लिए मुंबई पहुंचे। शुरुआती 13 वर्षों तक उन्होंने लगातार संघर्ष किया। इस दौरान उन्होंने संगीत एल्बमों, लघु फिल्मों और विभिन्न परियोजनाओं में संगीत देकर अनुभव अर्जित किया तथा कई फिल्मों के पृष्ठभूमि संगीत की रचना भी की, जिसे व्यापक सराहना मिली। विक्रम के जीवन में बड़ा मोड़ तब आया जब उनकी मुलाकात अभिनेता संजय दत्त से हुई। इसके बाद उन्हें फिल्म %संजू% में दो गीतों का संगीत तैयार करने का अवसर मिला। %कर हर मैदान फतेह% और %बाबा बोलता है अब बस हो गया% ने उन्हें देशभर में नई पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने %तोरबाज%, %प्रस्थानम%, %कमांडो-3%, %मेरे देश की धरती%, %शेरशाह%, %बच्चन पांडे%, %लाइगर%, %राम सेतु%, %ओ माई गॉड%, %जॉली एलएलबी 3%, %क्रैक%, %किल% तथा अन्य फिल्मों में संगीत देकर अपनी प्रतिभा का प्रभाव छोड़ा। उनके चर्चित गीतों में %तेरा बाप आया%, %इरादे कर बुलंद%, %जय हिंद की सेना%, %मार खाएगा%, %अटैक%, %जय श्रीराम%, %महाकाल चलो%, %शंभू%, %हर हर महादेव%, %ग्लास ऊंची रखे%, %जाको रखे सैयाँ%, %भोले भोले%, %मां काली महाकाली%, %होली पे चली गोली%, %सांवरिया%, %गंदा बंदा% तथा %ये देश है वीर जवानों का% का पुनर्निर्मित संस्करण शामिल हैं। इनमें से कई गीतों को करोड़ों दर्शकों ने देखा और सराहा। %जय हिंद की सेना% के लिए उन्हें आईफा, फिल्मफेयर और रेडियो मिर्ची पुरस्कार भी प्राप्त हुए। 26 जून को प्रदर्शित हुई फिल्म %वेलकम टू द जंगल% के चार गीत भी विक्रम के संगीत निर्देशन में तैयार हुए हैं। इनमें %वेलकम टू द जंगल%, %ऊंचा लंबा कद%, %घिस घिस% तथा %तेरा पैसा मेरा पैसा% शामिल हैं, जिन्हें दर्शकों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। महज 36 वर्ष की आयु में विक्रम मोंट्रोज ने हिंदी फिल्म संगीत जगत में उल्लेखनीय स्थान बनाया है। प्रयागराज की सांस्कृतिक मिट्टी से निकले इस युवा संगीतकार की रचनाओं में परंपरा और आधुनिकता का संतुलित मेल दिखाई देता है।

गमगीन माहौल में कर्बला में ताज़िए हुए सुपुर्द-ए-खाक

जगदीशपुर क्षेत्र में मोहर्रम का पर्व शुक्रवार को पूरी अकीदत, धार्मिक परंपराओं और भाईचारे के माहौल में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। दसवीं मोहर्रम के अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न गांवों और कस्बों से छोटे-बड़े ताजिये निकाले गए। मातमी धुनों, नात-ए-पाक और दुरूद शरीफ की सदाओं के बीच अकीदतमंद या हुसैन ,नारे-तकबीर अल्लाहु अकबर तथा हुसैन का दामन हम नहीं छोड़ेंगे जैसे नारों के साथ कर्बला की ओर बढ़े। मोहर्रम के अवसर पर जगदीशपुर विकासखंड के रानीगंज, वारिसगंज, गड़रियाडीह, देवकली, कचनांव, माहेमऊ, इमलीगांव, हारीमऊ, मंगरौरा, नियावां, मलावा, सिंदुरवा, बाबूपुर, सरैयां, सरेसर, जाफरगंज सहित अनेक गांवों से ताजिये निकाले गए। पारंपरिक वेशभूषा में शामिल अकीदतमंदों ने पूरे रास्ते इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की कुर्बानी को याद करते हुए मातम किया। जुलूस में शामिल लोग पूरी श्रद्धा और अनुशासन के साथ आगे बढ़ते रहे। कई स्थानों पर लोगों ने जुलूस का स्वागत किया तथा मीठे शरबत व पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी कीं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक हरिओम शर्मा के लिए श्रीराम ऑफसेट 6, शॉपिंग सेन्टर, माधोविलास के सामने, जोरावर सिंह गेट के पास, आमेर रोड, जयपुर - 302002 (राज.) से मुद्रित, प्लाट नम्बर 10 माँ भवानी विस्तार नगर , विजयपुरा, आगरा रोड़ पुरानी जयपुर राज. 302031 से प्रकाशित । संपादक - हरिओम शर्मा, मो. 9362862449,8058314720, Mail- tisriaankhkijwala@gmail.com